

---

Nandikeshvaraproktam Shivabhaktalakshanavarnanam

——  
नन्दिकेश्वरप्रोक्तं शिवभक्तलक्षणवर्णनम्

——  
Document Information



---

Text title : Nandikeshvaraproktam Shivabhaktalakshanavarnanam

File name : shivabhaktalakshaNavarNanaMnandikeshvaraproktam.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | harAkhyah tRitIyAMshaH | pUrvArdham | adhyAyaH  
30| 19-26 ||

Latest update : May 6, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 6, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



## नन्दिकेश्वरप्रोक्तं शिवभक्तलक्षणवर्णनम्



हे विश्वनाथ मदनान्तक कालकाल गौरीपते गिरिश चन्द्रकलावतंस ।  
शैलेन्द्रजाहृदयपङ्कजराजहंस पाहीति यो वदति ते शिवभक्तमाहुः ॥ १ ॥

काशीपते भयहरामरसार्वभौम भीम स्मरान्धकरिपो गिरिश त्रिनेत्र ।  
भो भूतिगात्र वृषभाधिप गोत्रपात्र पाहीति यो वदति ते शिवभक्तमाहुः ॥ २ ॥

वीरेश्वर त्रिदशनायक चन्द्रमौले लीलातिलोल विकटाघटितार्धदेह ।  
सिद्धेश्वरीरमण चन्द्रपते मुहुर्मा पाहीति यो वदति ते शिवभक्तमाहुः ॥ ३ ॥

भो सङ्कटारमण शूलधर स्मरारे श्रीशीतलारमण भो कलशेश शम्भो ।  
ज्योतिःस्वरूप भगवन् मणिकर्णिकेश पाहीति यो वदति ते शिवभक्तमाहुः ॥ ४ ॥

पुण्याविश्रुक्तपरमेश्वरनन्दिकेश श्रीमन्महेश्वर सुवर्णपिनाकपाणे ।  
श्रीकालकूटविषनीलतराधकण्ठ पाहीति यो वदति ते शिवभक्तमाहुः ॥ ५ ॥

उद्धूलनादिरुचिराङ्गलसत्तिपुण्ड्रेखाललाट फलकान्धकमर्दकेश ।  
आमर्दकेश्वर महाघविनाशकेश पाहीति यो वदति ते शिवभक्तमाहुः ॥ ६ ॥

श्रीवृद्धकाल वृषभध्वज कृत्तिवासः श्रीलिङ्गलिङ्गनिलयाव्यय मृत्युमृत्यो ।  
श्रीवक्रतुण्ड गणनायक दुण्डिराज पाहीति यो वदति ते शिवभक्तमाहुः ॥ ७ ॥

केदरनायक सदाशिव सोमनाथ ज्ञानेश दक्षहरनायक दक्षनाथ ।  
सिद्धेशधर्मगणनायक चण्डिकेश पाहीति यो वदति ते शिवभक्तमाहुः ॥ ८ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते नन्दिकेश्वरप्रोक्तं शिवभक्तलक्षणवर्णनं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । हराख्यः तृतीयांशः । पूर्वार्धम् । अध्यायः ३०। १९-२६ ॥

- .. shrIshivarahasyam . harAkhyah tRRitIyAMshah . pUrvArdham .  
adhyAyaH 30. 19-26 ..

Proofread by Ruma Dewan

*Nandikeshvaraproktam Shivabhaktalakshanavarnanam*

pdf was typeset on May 6, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

